भारत सरकार

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्याः 1317

उत्तर देने की तारीख 30 जुलाई, 2026 (गुरूवार)

8 श्रावण, 1948 (शक)

प्रश्न

एनई-स्पार्क्स कार्यक्रम

1317# **श्रीमती सीमा द्विवेदीः**

श्री उज्जवल देवराव निकमः

डा. कल्पना सैनीः

क्या **उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) नॉर्थ ईस्ट स्टूडेंट्स प्रोग्राम फॉर अवेयरनेस, रीच एंड नॉलेज ऑन स्पेस (एनई-स्पार्क्स) का उद्देश्य और वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) इस कार्यक्रम के अंतर्गत कितने लाभार्थियों को कवर किया गया है;

(ग) पूर्वोत्तर क्षेत्र के विद्यार्थियों के बीच अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी और एसटीईएम शिक्षा के प्रति जागरुकता को बढ़ावा देने हेतु क्या उपाय किए गए हैं; और

(घ) इस कार्यक्रम के अपेक्षित परिणाम क्या हैं?

उत्तर

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) नॉर्थ ईस्ट स्टूडेंट्स प्रोग्राम फॉर अवेयरनेस, रीच एंड नॉलेज ऑन स्पेस (एनई-स्पार्क्स) उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी), उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम था। इसका उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र के छात्रों में अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बारे में जागरूकता पैदा करना था। इसके तहत उन्हें भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम का सीधा अनुभव दिया गया, इसरोके वैज्ञानिकों से बातचीत कराई गई और छात्रों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) की पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

इस कार्यक्रम को नॉर्थ ईस्टर्न स्पेस एप्लीकेशन्स सेंटर (एनईएसएसी), उमियम, मेघालय ने उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी), इसरोऔर पूर्वोत्तर के आठ राज्यों की सरकारों के साथ मिलकर लागू किया। यह अप्रैल 2025 से दिसंबर 2025 तक आठ बैच में चलाया गया।

(ख) कुल 786 छात्रों (408 लड़कियाँ और 378 लड़के) ने 80 राज्य समन्वयकों (प्रत्येक राज्य से 10) के मार्गदर्शन में इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

(ग) एनई-स्पार्क्स के तहत पूर्वोत्तर क्षेत्र के छात्रों में अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी और एसटीईएम शिक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए किए गए उपायों में निम्नलिखित शामिल थे:

- इसरो के केंद्रों का दौरा, जिसमें इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी), सैटेलाइट कंट्रोल सेंटर (एससीसी), मिशन ऑपरेशन्स कॉम्प्लेक्स (एमओएक्स), इंडियन डीप स्पेस नेटवर्क (आईडीएसएन), यू आर राव सैटेलाइट सेंटर (यूआरएससी), इसरो सैटेलाइट इंटीग्रेशन एंड टेस्ट एस्टेब्लिशमेंट (आईएसआईटीई) और जवाहरलाल नेहरू तारामंडल शामिल हैं।
- इसरो के अध्यक्ष, वरिष्ठ वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के साथ बातचीत।
- भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम, उपग्रह प्रौद्योगिकी और इसके अनुप्रयोगों पर प्रस्तुति।
- उपग्रह मिशन के ऑपरेशन्स और डीप-स्पेस कम्युनिकेशन सिस्टम का प्रदर्शन।
- अनुभव से सीखने के लिए वॉटर रॉकेट का प्रायोगिक प्रदर्शन।
- वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने और छात्रों को एसटीईएम शिक्षा की ओर प्रोत्साहित करने के लिए विज्ञान संचेतना सत्र और प्लैनेटेरियम शो।

(घ) इस कार्यक्रम से पूर्वोत्तर क्षेत्र के छात्रों में अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बारे में जागरूकता बढ़ने, वैज्ञानिक सोच और नवाचार को बढ़ावा मिलने, छात्रों को एसटीईएम विषयों में उच्च शिक्षा और करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करने, भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान इकोसिस्टम से परिचित कराने और पूर्वोत्तर क्षेत्र में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रचार-प्रसार के लिए एनईसी, एनईएसएसी, इसरो और राज्य सरकारों के बीच सहयोग बढ़ने की आशा है।

*****